Document Title / दस्तावेज़ शीर्षक: The Goa Inquisition (1560–1812): Institutionalized Terror, Cultural Suppression, and Historical Evidence / गोवा इनक्विजिशन (1560–1812): संस्थागत बर्बरता, सांस्कृतिक दमन और ऐतिहासिक साक्ष्य

Author & Researcher / शोधकर्ता: Govind Malviya (REAL HI STORY)

Publication Date / प्रकाशन तिथि: September 1, 2026

Archive Category / श्रेणी: Indian Colonial History / Religious Persecution / Maratha Military History

Document Format / स्वरूप: Dual Language Archival Text (Hindi & English)

गोवा इनक्विजिशन (1560–1812): गोपकपट्टनम का काला इतिहास, संस्थागत बर्बरता और मराठा प्रतिरोध

© 1st Sept. 2026, Govind Malviya (REAL HI STORY).

2. गोवा का प्राचीन इतिहास और पुर्तगाली आगमन

गोवा का उल्लेख प्राचीन संस्कृत महाकाव्यों और शिलालेखों में '**गोमंतक**' और '**गोपकपट्टनम**' (Gopakapattana) के नाम से मिलता है। 10वीं से 14वीं शताब्दी तक यह क्षेत्र **गोवा के कदंब राजवंश** के अधीन एक समृद्ध व्यापारिक और सांस्कृतिक केंद्र था।

1510 ईस्वी में पुर्तगाली गवर्नर **अफ़ोंसो दे अल्बुकर्क** ने बीजापुर सल्तनत को हराकर गोवा पर कब्ज़ा किया। शुरुआत में मसालों के व्यापार पर नियंत्रण स्थापित करने के बाद, पुर्तगाली औपनिवेशिक प्रशासन ने कैथोलिक चर्च के साथ मिलकर जबरन धर्मांतरण और सांस्कृतिक दमन का अभियान शुरू किया।

कालक्रम (Timeline):
[10वीं-14वीं सदी] : कदंब राजवंश (स्वर्ण काल एवं समृद्ध समुद्री व्यापार)
[1510 ईस्वी] : अफ़ोंसो दे अल्बुकर्क द्वारा पुर्तगाली कब्ज़ा
[1545 ईस्वी] : फ्रांसिस ज़ेवियर द्वारा इनक्विजिशन की मांग
[1560 ईस्वी] : गोवा इनक्विजिशन की आधिकारिक स्थापना
[1812 ईस्वी] : इनक्विजिशन का औपचारिक अंत

3. द पैलेस ऑफ इनक्विजिशन (The Palace of Inquisition)

पुराने गोवा में स्थित बीजापुर के सुल्तान आदिल शाह के पूर्व महल को पुर्तगालियों ने '**द पैलेस ऑफ इनक्विजिशन**' (*O Grande Casa*) में परिवर्तित कर दिया। यह महल औपनिवेशिक टॉर्चर का मुख्यालय बना।

- **अंधेरी कालकोठरियाँ:** महल के निचले हिस्सों में बिना खिड़कियों और वेंटिलेशन वाली दर्जनों अंधेरी कोठरियाँ बनाई गई थीं।
- **संस्कृति पर प्रतिबंध (1736 के आदेश):** पुर्तगाली प्रशासन द्वारा जारी 1736 के व्यापक आदेशों के तहत स्थानीय रीति-रिवाजों को अपराध घोषित किया गया:
    1. घर के आंगन में **तुलसी का पौधा** लगाना या पूजना।
    2. पारंपरिक वस्त्र जैसे **धोती या साड़ी** पहनना तथा माथे पर तिलक लगाना।
    3. भोजन में **लहसुन और प्याज** का परहेज करना (ब्राह्मणवादी प्रथा मानकर)।
    4. स्थानीय **कोंकणी और मराठी** भाषा में संवाद करना।
    5. विवाह या अंतिम संस्कार में पारंपरिक भारतीय वाद्ययंत्र बजाना।

4. यातना के प्रामाणिक तरीके (Institutional Torture Methods)

इनक्विजिशन की अदालतों द्वारा स्वीकारोक्ति (Confession) प्राप्त करने के लिए प्रयुक्त मुख्य यातना विधियाँ:

यातना का नाम	प्रक्रिया एवं शारीरिक प्रभाव
द स्ट्रैपाडो (The Strappado)	पीड़ित के हाथ पीठ के पीछे बांधकर उसे चरखी (pulley) से छत पर लटकाया जाता था। पैरों से वजन बांधकर अचानक नीचे गिराया जाता और जमीन से ठीक पहले झटका दिया जाता, जिससे कंधे और रीढ़ की हड्डियां उखड़ जाती थीं।

यातना का नाम	प्रक्रिया एवं शारीरिक प्रभाव
पोट्रो / द रैक (The Potro / Rack)	तख्ते पर बांधकर कलाइयों और टखनों की रस्सियों को उल्टी दिशा में खींचा जाता था, जिससे शरीर के जोड़ टूट जाते थे और मांसपेशियां फट जाती थीं।
जल यातना (Water Torture)	गले में कपड़ा ठूंसकर ज़बरदस्ती अत्यधिक जल भरा जाता था। पेट फूल जाने पर उस पर लोहे की छड़ों से वार किया जाता था।
अग्नि यातना (Fire Torment)	पैरों में ज्वलनशील तेल लगाकर दहकते अंगारों के पास रखा जाता था, जब तक कि मांस जलकर हड्डियों से अलग न हो जाए।

5. ऑटो-डा-फे (Auto-da-fé) और प्राथमिक ऐतिहासिक साक्ष्य

जो बंदी यातनाओं के बाद भी अपनी संस्कृति या धर्म छोड़ने से इंकार करते थे, उन्हें सार्वजनिक रूप से '**ऑटो-डा-फे**' (*Act of Faith*) नामक आयोजन में सरेआम लकड़ी के खंभों से बांधकर ज़िंदा जला दिया जाता था।

ऐतिहासिक साक्ष्य (Primary Evidence):

1812 में बंद होते समय पुर्तगालियों द्वारा अधिकांश दस्तावेज़ जला दिए गए थे। हालांकि, फ्रांसीसी चिकित्सक **चार्ल्स डेलॉन (Charles Dellon)**, जिन्हें 1674 में गोवा में 2 वर्ष कैद रखा गया था, ने बच निकलने के बाद 1687 में आत्मकथा प्रकाशित की:

प्रामाणिक ग्रंथ: *"Relation de l'Inquisition de Goa"* (1687)

लेखक: डॉ. चार्ल्स डेलॉन

महत्व: यह पुस्तक गोवा इनक्विजिशन की अदालतों, यातना गृहों और ऑटो-डा-फे का एकमात्र प्रत्यक्षदर्शी यूरोपीय विवरण प्रस्तुत करती है।

6. भारतीय शक्तियों का सैन्य प्रतिशोध: मराठा साम्राज्य

पुर्तगाली औपनिवेशिक विस्तार और धार्मिक उत्पीड़न को रोकने में मराठा साम्राज्य ने निर्णायक सैन्य भूमिका निभाई।

- **छत्रपति संभाजी महाराज (1683):** मराठा सेना ने गोवा पर सीधा आक्रमण कर पुर्तगाली किलों को ध्वस्त किया और गोवा के प्रवेश द्वार तक पहुँचे।
- **पेशवा चिमाजी अप्पा (1739 - वसई का युद्ध):** पेशवा बाजीराव के भाई चिमाजी अप्पा ने वसई के युद्ध में पुर्तगाली नौसेना और किलों को पराजित कर उनका पूरा 'उत्तरी प्रांत' (वसई, साल्सेट, बांद्रा) छीन लिया, जिससे पुर्तगाली साम्राज्य केवल गोवा तक सीमित हो गया।

The Goa Inquisition (1560–1812): A Historical Analysis of Institutional Persecution and Maratha Resistance

© 1st Sept. 2026, Govind Malviya (REAL HI STORY).

2. Ancient Background and Portuguese Annexation

Ancient Goa, referenced in classical Sanskrit texts as **Gomantak** and **Gopakapattana**, was governed between the 10th and 14th centuries by the **Kadamba Dynasty of Goa**. During this era, Gopakapattana served as a prominent international maritime trading hub.

In 1510 CE, Portuguese Admiral **Afonso de Albuquerque** captured Goa from the Bijapur Sultanate. Initially aimed at securing the spice trade monopoly, the Portuguese colonial administration subsequently aligned with religious orders to initiate forced conversion campaigns.

3. The Palace of the Inquisition (*O Grande Casa*)

The former palace of Adil Shah in Old Goa was re-purposed as the administrative headquarters of the Inquisition tribunal, locally known as *O Grande Casa* (The Big House).

- **Subterranean Dungeons:** The palace contained dark, unventilated subterranean cells designed for long-term solitary confinement.
- **The Edicts of 1736:** Codified laws restricted native indigenous customs:
    1. Cultivation and worship of the sacred **Tulsi** (Holy Basil) plant.

2. Wearing traditional Indian garments (**Dhoti/Saree**) or applying forehead marks (*Tilak*).
3. Preparing vegetarian meals without garlic and onion (identified as a traditional Indian dietary practice).
4. Speaking the indigenous **Konkani** or **Marathi** languages.
5. Utilizing traditional Indian musical instruments during social or domestic ceremonies.

4. Documented Torture Methodologies

To extract confessions, the tribunal employed standardized mechanical devices common to the Iberian Inquisition system:

Method	Mechanical Operation & Anatomical Impact
The Strappado	Hands were bound behind the torso; the victim was suspended via a ceiling pulley with weights attached to the feet, then dropped rapidly and jerked before impact, causing joint dislocation.
The Potro (The Rack)	The body was bound to a wooden frame and stretched longitudinally using mechanical rollers, tearing ligaments and muscles.
Water Torture	Water was forcibly administered through a cloth funnel into the stomach, followed by manual compression or blunt force strikes to the abdomen.
Fire Torment	Flammable fats were applied to the bare feet, which were exposed to open braziers until severe tissue destruction occurred.

5. Auto-da-fé and Primary Historical Sources

Unrepentant convicts were condemned at public ceremonies titled **Auto-da-fé** (*Act of Faith*) and executed by burning at the stake in designated public squares.

```
Primary Source Verification:
Author  : Dr. Charles Dellon (French Physician)
```

```
Work    : "Relation de l'Inquisition de Goa" (Published: Paris, 1687)
Details : Provides firsthand accounts of imprisonment (1674–1676), judicial
procedures,
          palace architecture, and execution ceremonies in Old Goa.
```

6. Military Resistance: The Maratha Counter-Offensives

The Maratha Empire served as the primary regional power checking Portuguese territorial expansion along the Konkan coast.

- **Chhatrapati Sambhaji Maharaj (1683 Invasion):** Maratha forces breached colonial fortifications and launched a direct assault on Goa, severely neutralizing Portuguese forward positions.
- **Chimaji Appa & The Battle of Bassein (1739):** Commander Chimaji Appa led the Maratha army against the main Portuguese stronghold at Bassein (Vasai). The Maratha victory ended Portuguese control over their Northern Province (Vasai, Salsette, Bandra), permanently restricting Portuguese dominion in India to the enclave of Goa.

Archival Record Summary / संग्रह सार

This document serves as a standardized dual-language historical summary of the Goa Inquisition (1560–1812), preserving documented facts regarding pre-colonial Goa, colonial legal edicts, recorded interrogation methods, primary eyewitness accounts, and Maratha military engagements.